७ नकली हीरे

कहानी का सारांश

काननपुर के राजा बहुत बुद्धिमान और वृद्ध थे। उनका एक ही बेटा था। राजा चाहते थे कि अपने बेटे के लिए एक सच्चा और योग्य सलाहकार चुने।
इसके लिए उन्होंने दरबार में सब दरबारियों से एक सवाल पूछा — "क्या मैं बुद्धिमान और ईमानदार राजा हूँ?"

सभी दरबारियों ने राजा की प्रशंसा करते हुए झूठा उत्तर दिया ताकि राजा खुश हो जाए। पर एक नवयुवक दरबारी ने सच्चाई से उत्तर दिया कि भले ही राजा बुद्धिमान और ईमानदार हैं, लेकिन उनसे भी श्रेष्ठ राजा पहले हो चुके हैं।

राजा ने सब दरबारियों को एक-एक हीरा इनाम में दिया। पर बाद में पता चला कि वे हीरे नकली थे। दरबारियों ने शिकायत की, तो राजा ने समझाया कि जिसने झूठा उत्तर दिया, उसे नकली हीरे मिले। सिर्फ नवयुवक दरबारी को असली हीरा दिया गया, क्योंकि उसने सत्य और ईमानदारी से जवाब दिया था। अंत में राजा ने उसी नवयुवक को अपने बेटे का सलाहकार चुना।

यह कहानी हमें सिखाती है कि सच्चाई और ईमानदारी सबसे बड़ी विशेषताएँ हैं।

नए शब्द

वृद्ध	:-	बूढ़ा, जर्जर, बुजुर्ग
बुद्धिमान	:-	चतुर, होशियार, समझदार
दरबारी	:-	सभासद, मंत्री, दरबार का सदस्य
संदेह	:-	शक, संशय, भ्रम
ईमानदार	:-	सच्चा, निष्ठावान, धर्मपरायण
सलाहकार	:-	मार्गदर्शक, सलाहदाता, परामर्शदाता
नकली	:-	जाली, बनावटी, कृत्रिम
असली	:-	वास्तविक, सच्चा, खरा
पुरस्कार	:-	इनाम, पारितोषिक, सम्मान
घोषणा	:-	ऐलान, उद्घोषणा, प्रचार

www.onepointlearning.com
One Point Learning
Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

बातचीत के लिए

1. राजा ने अपने पुत्र का सलाहकार किसे और क्यों चुना?

उत्तर: राजा ने एक नवयुवक दरबारी को अपने पुत्र का सलाहकार चुना क्योंकि उसने सच और ईमानदारी से उत्तर दिया था, जबकि बाकी दरबारियों ने झूठा उत्तर दिया था।

2. दरबारियों ने राजा के उपहार की जौहरी से तुरंत जाँच करवाई। इससे उनके बारे में कौन-कौन सी बातें पता चलती हैं?

उत्तर: जब दरबारियों ने जौहरी से हीरों की जाँच करवाई, तो पता चला कि सभी हीरे नकली थे। इससे यह साबित हुआ कि दरबारियों ने झूठा उत्तर दिया था और राजा ने उन्हें नकली हीरे दिए थे।

3. नवयुवक दरबारी राजा का प्रश्न सुनकर भी चुपचाप क्यों खड़ा था?

उत्तर: नवयुवक दरबारी चुपचाप खड़ा था क्योंकि उसने राजा के सवाल का ईमानदारी से उत्तर दिया था। वह राजा को प्रसन्न करने के लिए झूठ नहीं बोल सकता था।

4. चित्रकथा के अनुसार काननपुर का राजा बहुत बुद्धिमान था। क्या आप इस बात से सहमत हैं? आपको ऐसा क्यों लगता है?

उत्तर: हाँ, मैं सहमत हूँ कि राजा बुद्धिमान था। क्योंकि उसने दरबारियों का सच जानने के लिए एक ऐसा प्रश्न पूछा, जिससे उनकी ईमानदारी और सच्चाई का परीक्षण किया जा सके। और फिर सही व्यक्ति को अपने पुत्र का सलाहकार चुना।

5. जब राजा ने अपने पुत्र के सलाहकार की घोषणा की, तब सभी दरबारियों को कैसा लगा होगा? उन्होंने क्या-क्या सोचा होगा?

उत्तर: जब राजा ने सही सलाहकार की घोषणा की, तो दरबारियों को बहुत आश्चर्य हुआ होगा और वे शायद शर्मिंदा भी हुए होंगे। उन्होंने सोचा होगा कि अगर वे सच बोलते, तो उन्हें असली हीरे मिलते और वे भी सही सलाहकार बन सकते थे।

सोचिए और लिखिए

1. चित्रकथा के दिए गए अंश को ध्यान से देखिए –

हर दरबारी को राजा ने एक-एक हीरा दिया। आपके उत्तर के लिए धन्यवाद।
सब दरबारी प्रसन्न होकर चले गए। पर एक दरबारी चुपचाप एक कोने में खड़ा रहा।
आप चुप क्यों हैं? आपका उत्तर क्या है?

www.onepointlearning.com
One Point Learning

इस अंश के बारे में अपने समूह में चर्चा कीजिए। अब नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपनी लेखन-पुस्तिका में लिखिए -

• चित्रकथा के इस अंश में कुल कितने चित्र-खंड हैं?

उत्तर: इस अंश में कुल चार चित्र-खंड हैं।

• यहाँ मुख्य पात्र कौन-कौन हैं?

उत्तर: यहाँ मुख्य पात्र राजा और दरबारी हैं।

• बीच वाले चित्र-खंड में क्या हो रहा है?

उत्तर: बीच वाले चित्र-खंड में, राजा सभी दरबारियों को हीरे दे रहे हैं और एक दरबारी चुपचाप खड़ा है। राजा उससे सवाल पूछते हैं कि वह क्यों चुप है और उसका उत्तर क्या है।

• यहाँ केवल चित्रों को देखकर कौन-कौन सी बातें पता चल रही हैं?

उत्तर: चित्रों से यह पता चलता है कि राजा ने सभी दरबारियों को हीरे दिए, लेकिन एक दरबारी चुप है और उसने अपने उत्तर में ईमानदारी दिखाई। यह भी दिखता है कि राजा उसकी ईमानदारी की कद्र करता है और उसे विशेष स्थान देता है।

2. इस चित्रकथा का नाम 'नकली हीरे' क्यों रखा गया है? आप भी इस चित्रकथा का कोई उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

उत्तर: इस चित्रकथा का नाम 'नकली हीरे' इसलिए रखा गया है क्योंकि राजा ने उन दरबारियों को नकली हीरे दिए, जिन्होंने झूठ बोलकर राजा को प्रसन्न करने की कोशिश की थी। जब दरबारियों ने झूठे उत्तर दिए, तो राजा ने उनका इम्तिहान लिया और उन्हें नकली हीरे दिए।

एक उपयुक्त शीर्षक हो सकता है: "सच का इनाम"।

3. राजा ने नकली हीरों का पुरस्कार किन्हें और क्यों दिया?

उत्तर: राजा ने नकली हीरे उन दरबारियों को दिए जिन्होंने झूठ बोला और राजा को खुश करने के लिए बढ़ा-चढ़ा कर उत्तर दिए। राजा ने यह दिखाने के लिए कि झूठ का कोई मूल्य नहीं है, उन्हें नकली हीरे दिए।

4. राजा ने एक को छोड़कर अन्य सभी दरबारियों को नकली हीरे क्यों दिए? अपने कारण भी लिखिए।

उत्तर: राजा ने एक को छोड़कर बाकी सभी दरबारियों को नकली हीरे दिए क्योंकि उन्होंने झूठे उत्तर दिए थे। राजा चाहता था कि सभी दरबारी सच्चाई और ईमानदारी से काम करें, इसलिए उन्हे नकली हीरे देकर यह सिखाया कि झूठ बोलने पर सच्ची सफलता नहीं मिलती। केवल एक दरबारी ने सच्चा उत्तर दिया और उसे असली हीरा मिला।

www.onepointlearning.com
One Point Learning
Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

शब्दों से मित्रता

नीचे दिए गए शब्दों को उनके उपयुक्त अर्थों के साथ रेखाएँ खींचकर मिलाइए।

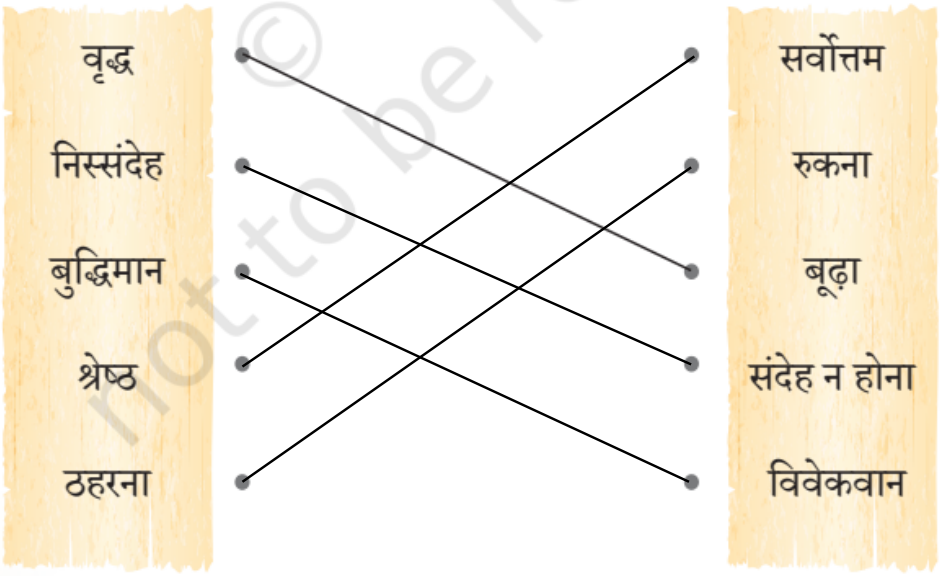

हमारी समझ

इन प्रश्नों के सबसे उपयुक्त उत्तर पर सही का चित्र (✔) बनाइए -

(क) नवयुवक दरबारी का उत्तर सुनकर राजा -

i. प्रसन्न हो गया। ☑
ii. अप्रसन्न हो गया। ☐
iii. भयभीत हो गया। ☐
iv. चिंतित हो गया। ☐

(ख) सबसे अलग उत्तर देने वाले दरबारी के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य सही है?

i. वह सदैव झूठ बोलता था। ☐
ii. वह राजा के पुत्र का सलाहकार बनना चाहता था। ☐
iii. वह अन्य दरबारियों से अलग दिखना चाहता था। ☐
iv. वह एक विनम्र नवयुवक था। ☑

www.onepointlearning.com
One Point Learning
Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

भाषा की बात

1. 'कानपुर के बुद्धिमान और वृद्ध राजा का एक बेटा था।'
   'कानपुर के बुद्धिमान और वृद्ध राजा का एक ही बेटा था।'

(क) इन दोनों पंक्तियों को ध्यान से देखिए। दोनों में क्या अंतर है?

उत्तर: पहली पंक्ति "कानपुर के बुद्धिमान और वृद्ध राजा का एक बेटा था।" में 'एक' शब्द से यह संकेत मिलता है कि राजा का केवल एक बेटा था, लेकिन इसमें किसी विशेषता की ओर संकेत नहीं किया गया है।

दूसरी पंक्ति "कानपुर के बुद्धिमान और वृद्ध राजा का एक ही बेटा था।" में 'ही' शब्द यह स्पष्ट करता है कि राजा का बेटा केवल एक ही था, और अन्य कोई बेटा नहीं था। 'ही' शब्द से यह स्थिति की विशेषता पर बल दिया गया है।

(ख) आप भी कक्षा में पाँच-पाँच के समूह बनाकर 'ही' शब्द वाले चार वाक्य अपनी लेखन-पुस्तिका में लिखिए।

उत्तर: 'ही' शब्द वाले चार वाक्य:

1. राम ने ही घर के सारे काम किए।
2. वह ही सबसे अच्छा खिलाड़ी था।
3. यह किताब मैंने ही पढ़ी है।
4. हमने ही सभी सवालों के उत्तर दिए।

2. नीचे दिए गए वाक्यों में से जो आपको अपने लिए सबसे उपयुक्त लगते हैं, उनके सामने सही का चिह्न (✓) लगाइए -

- मुझे कहानियाँ और कविताएँ पढ़ना पसंद है। [✓]
- मुझे रोचक कहानियाँ सुनाना या लिखना पसंद है। [✓]
- मुझे पहेलियाँ हल करना पसंद है। [✓]
- मुझे गणित के खेल और प्रश्न हल करना रुचिकर लगता है। [✓]
- मुझे चित्रकारी करना पसंद है। [ ]
- मुझे घूमने-फिरने और खेलने में आनंद आता है। [ ]
- मुझे अभिनय या नृत्य करना पसंद है। [ ]
- मुझे गीत गाना या वाद्ययंत्र बजाना अच्छा लगता है। [ ]
- मुझे संगीत सुनना पसंद है। [✓]
- मुझे दूसरों के साथ काम करना और मित्र बनाना पसंद है। [✓]
- मुझे अपने सहपाठियों की सहायता करना अच्छा लगता है। [✓]
- मुझे प्रकृति और जानवरों के बारे में जानना पसंद है। [ ]
- मुझे बागवानी पसंद है। [✓]

www.onepointlearning.com
One Point Learning
Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

3. अब ऊपर दी गई सूची में से अपनी मनभावन गतिविधि को चुनकर उस पर एक अनुच्छेद लिखिए। आप एक से अधिक गतिविधियाँ भी चुन सकते हैं।

उत्तर:

मनभावन गतिविधि:

मुझे कहानियाँ और कविताएँ पढ़ना बहुत पसंद है। जब भी मुझे फुर्सत मिलती है, मैं किसी न किसी पुस्तक में खो जाती हूँ। कहानियाँ मुझे न केवल मनोरंजन देती हैं, बल्कि उनसे मुझे नई-नई जानकारी और अनुभव भी मिलते हैं। मुझे विशेष रूप से प्रेरणादायक और हास्य कहानियाँ बहुत पसंद हैं, क्योंकि वे मेरी सोच को सकारात्मक दिशा देती हैं। इसके अलावा, कविताएँ भी मुझे बहुत आकर्षित करती हैं, क्योंकि उनका संगीतात्मकता और शब्दों की सुंदरता मुझे बहुत भाती है। मुझे यह भी अच्छा लगता है कि मैं अपने दोस्तों को अपनी पसंदीदा कहानियाँ और कविताएँ सुनाऊँ।

इसके साथ ही, मुझे पहेलियाँ हल करना भी बहुत पसंद है। जब भी मुझे समय मिलता है, मैं पहेलियों को हल करने में जुट जाती हूँ। पहेलियाँ हल करना मेरी सोचने की क्षमता को तेज करता है और साथ ही यह मेरे लिए एक मजेदार चुनौती भी होती है।

कुल मिलाकर, पढ़ाई, पहेलियाँ हल करना, और कहानियाँ सुनाना मेरी मनपसंद गतिविधियाँ हैं, जो मुझे बहुत आनंद देती हैं।

4. "सब दरबारियों ने बारी-बारी से यही उत्तर दिया।"

उपर्युक्त पंक्ति में 'बारी' शब्द का दो बार प्रयोग हुआ है। आप भी नीचे दिए ऐसे शब्दों से वाक्य बनाइए -

- **धीरे-धीरे** - उसने धीरे-धीरे अपने विचार व्यक्त किए ताकि कोई भी शब्द गलत न हो जाए।
- **भिन्न-भिन्न** - इस पुस्तक में भिन्न-भिन्न प्रकार के चित्र और लेख हैं।
- **साथ-साथ** - वे दोनों साथ-साथ पार्क में टहलने गए।
- **बार-बार** - उसने बार-बार मुझे समझाया, लेकिन मैं फिर भी नहीं समझ पाया।

5. "कृपा करके स्पष्ट उत्तर दीजिएगा।" कृपा जैसे शब्दों का प्रयोग विनम्रता दर्शाने के लिए किया जाता है। नीचे दिए गए ऐसे ही शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए और अपने समूह में एक-दूसरे से बातचीत करते हुए उनका प्रयोग कीजिए -

- **कृपया** - कृपया दरवाजा बंद कर दीजिए।
- **धन्यवाद** - मुझे यह पुस्तक देने के लिए धन्यवाद।
- **क्षमा कीजिए** - क्षमा कीजिए, मुझे थोड़ी देर हो गई।
- **आपका आभार** - आपका आभार कि आपने मेरी मदद की।

www.onepointlearning.com
One Point Learning
Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

पाठ की विशेषताएँ

नीचे इस चित्रकथा की कुछ विशेषताएँ दी गई हैं। आप भी इस पाठ्यपुस्तक में से किसी कहानी अथवा कविता की विशेषताएँ लिखिए।

पाठ का नाम	–	नकली हीरे	मेरी रुचि का पाठ ..... आसमान गिरा .....
चित्र	–	सुंदर, रंग-बिरंगे, स्पष्ट	..... सुखद और ज्ञानवर्धक .....
रचनाकार	–	नीरा बेनेगल	सुंदर, हरे-भरे पेड़ों के चित्र, साफ और आकर्षक
रोचकता	–	आनंददायक	..... अनामिका .....
अंत	–	सकारात्मक	..... मजेदार और शिक्षाप्रद .....

आपकी चित्रकथा

नीचे दी गई चित्रकथा के संवाद लिखिए। इसके लिए आप अपनी मातृभाषा का प्रयोग भी कर सकते हैं।

www.onepointlearning.com
One Point Learning
Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

खोजिए और आनंद लीजिए

1. नीचे दिए गए एक जैसे चित्रों में पाँच अंतर खोजिए।

उत्तर:

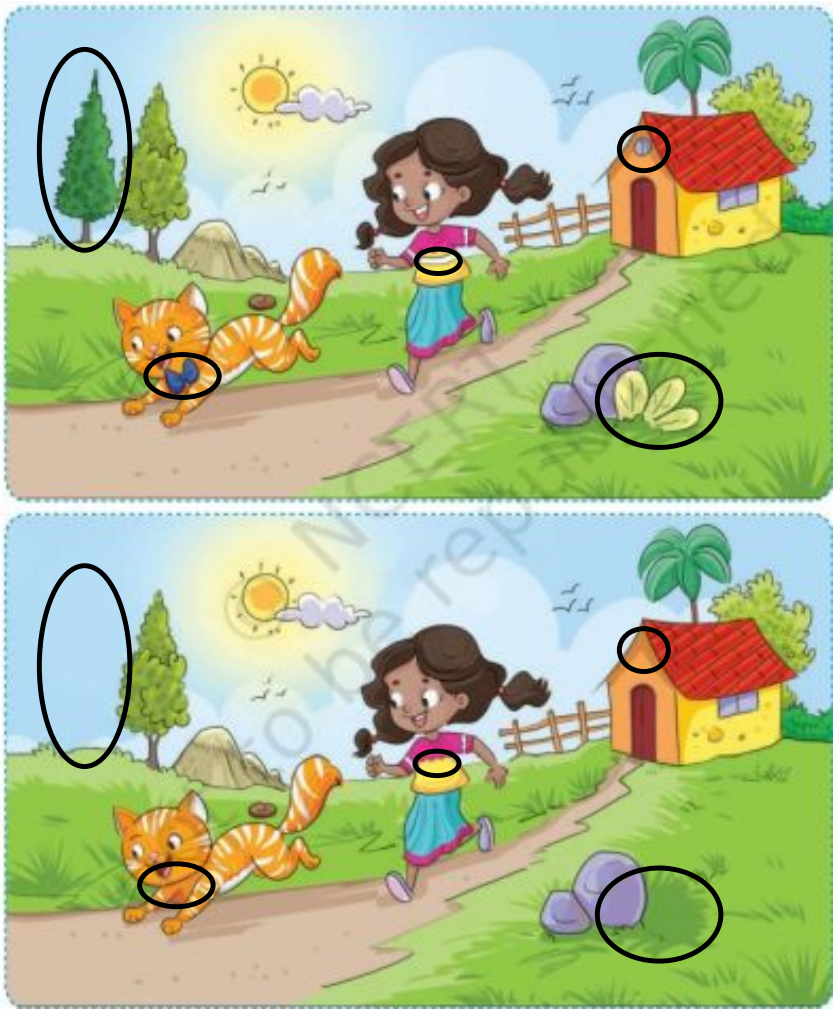

2. नीचे दिए गए चित्र में पाठ में आए पाँच शब्द छिपे हैं। खोजकर लिखिए।

उत्तर: इस चित्र में छिपे पाँच शब्द हैं, जो पाठ "नकली हीरे" से जुड़े हैं। वे शब्द हैं:

- ईमानदारी (अलमारी में किताबों के बीच लिखा है)
- हीरा (दीवार पर टंगी तस्वीर में लिखा है)
- चुप (बिल्ली के तन पर)
- राजा (टेबल पर पड़े लेंप पर)
- जाँच (तस्वीर में दिखाई गए हाथ पर)

www.onepointlearning.com
One Point Learning
Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

पुस्तकालय से

1. क्या आपने कोई चित्रकथा पढ़ी है? यदि हाँ, तो अपने सहपाठियों को उसके विषय में बताइए।

उत्तर: हाँ, मैंने "पंचतंत्र की कहानियाँ" नाम की चित्रकथा पढ़ी है। इसमें जानवरों की मजेदार और शिक्षाप्रद कहानियाँ होती हैं। हर कहानी से हमें कोई न कोई अच्छी सीख मिलती है, जैसे– दोस्ती की ताकत, समझदारी से काम लेना और सच्चाई का महत्व। चित्रों के माध्यम से कहानी और भी रोचक लगती है।

2. अपने विद्यालय के पुस्तकालय में से कोई अन्य चित्रकथा ढूंढिए और अपने सहपाठियों के साथ पढ़िए।

उत्तर: मैंने विद्यालय के पुस्तकालय से "अकबर-बीरबल की कहानियाँ" नामक चित्रकथा ढूंढी। इसमें बीरबल की चतुराई और अकबर के सवाल-जवाब के किस्से चित्रों के साथ बहुत सुंदर ढंग से दिखाए गए हैं। मैं इसे अपने सहपाठियों के साथ पढ़ा और सबको बहुत आनंद आया।

www.onepointlearning.com

One Point Learning

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com